Tc.No. : GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 36, बुधवार, 28 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

स्वाइन फ्लू के इस वर्ष अब तक 22 मामले

नई दिल्ली। तमाम कवायद के बावजूद अब राजधानी में मैन टू मैन फैलने वाले विषाणु से होने वाली स्वाइन फ्लू एच1एन1 बीमारों के मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। जहां स्वाइन फ्लू से पूरे देश में 117 मौत हो चुकी है। वहीं दिल्ली में तीन और मामले सामने आए हैं, अकेले दिल्ली में अब तक इस साल 22 लोगों में स्वाइन फ्लू होने की पुष्टि हुई है। पिछले सप्ताह दिल्ली में स्वाइन फ्लू से एक मौत हुई थी। अस्पतालों को अलर्ट किया गया है। आरएमएल, सफदरजंग, एम्स, लोकनायक हास्पिटल को स्वाइन फ्लू संभावितों की जांच के लिए नोडल केंद्र स्थापित किया गया है।

हाईकोर्ट ने डीएमआरसी को लताड़ा मेट्रो स्टेशनों पर सुविधाएं मुहैया न कराने पर

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मेट्रो स्टेशनों के भीतर यात्रियों को निशुल्क पेयजल एवं शौचालय की सुविधाएं मुहैया नहीं कराने पर सोमवार को दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की खिंचाई की और पूछा कि क्या उसे ''मानवीय समस्याओं की समझ नहीं रह गई है।' न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और एके चावला की पीठ ने कहा, ''क्या आप पानी शौचालय सुविधा मुहैया नहीं कराने की नीति पश्चिम से लेकर आए हैं? यहां ट्रैफिक का हाल देखिए। करोड़ों लोग मेट्रो में सफर करते हैं और यदि किसी को मेडिकल समस्या हो जाए तो क्या होगा? वह कहां जाएगा? जब तक वह स्टेशन से बाहर आएगा, तब तक काफी देर हो चुकी रहेगी। इस नीति के पीछे कौन सी सोच है?' पीठ ने कहा, ''आप दुनिया में कहीं भी चले जाइए, मेट्रो स्टेशनों में शौचालय होते हैं। लंदन में ट्रैफिक उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी हमारे यहां है। हमें आंकड़े दिखाइए और ये सुविधाएं मुहैया नहीं कराने के कारण बताइए। आपकी यह नीति पिछले 14 साल से है।' एकल पीठ के एक आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने यह टिप्पणी की। एकल पीठ ने आदेश दिया था कि मेट्रो में सफर करने वाले यात्री को निशुल्क पेयजल का अधिकार नहीं है। एकल पीठ के न्यायाधीश ने कहा था कि किसी व्यक्ति को पेयजल का अधिकार है, लेकिन निशुल्क पेयजल का अधिकार नहीं है।' न्यायालय ने इस अपील पर डीएमआरसी को नोटिस भी जारी किया और नौ मई तक जवाब-तलब किया। नौ मई को ही मामले की अगली सुनवाई होगी। पीठ ने डीएमआरसी से कहा कि वह यात्रियों को निशुल्क पेयजल मुहैया नहीं कराने की नीति से जुडे दस्तावेज पेश करे। याचिकाकर्ता कुश कालरा की तरफ से पेश हुए वकील कुश शर्मा ने दलील दी कि पानी नि:शुल्क मुहैया कराया जाना चाहिए। उन्होंने साफ-सफाई का भी मुद्दा उठाया और कहा कि सभी मेट्रो स्टेशनों में शौचालय और कूड़ेदान नहीं हैं।

मेनका गांधी से मांगा रेप रोको अभियान के लिए समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति जयहिंद ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से मुलाकात कर नसे ''रेप रोको' अभियान के लिए समर्थन मांगा। श्रीमती मेनका गांधी ने आयोग के इस अभियान को पूरा समर्थन देने का वादा किया। उन्होंने बताया कि वह विशेष फॉरेंसिक लैब गठित करने की प्रक्रिया में हैं जो केवल महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामले ही देखेंगी।स्वाति जयहिंद ने केंद्रीय मंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि फॉरेंसिक लैब में की रोपर्ट आने में लम्बा समय लगने के कारण बलात्कार के मामलों की सुनवाई में देरी होती है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार की फॉरेंसिक लैब में लम्बित मामलों की संख्या आधी हो गई है।

दंपति की स्कूटी ले भागे बदमाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाना पंजाबी बाग इलाके में धुत पति को स्कूटी से घर ले रही महिला को रोककर चाकू के बल पर बदमाशों ने उससे लूटपाट की और महिला की स्कूटी भी लूट ले गए। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि, वारदात वाले दिन सुबह वह पति के साथ भाई के घर गोल मार्केट गई थी, जहां रात में उसके पति ने शराब पी ली। देर रात घर लौटते समय महिला खुद स्कूटी पर पति को बैठाकर घर ले जा रही थी। पीड़िता का दावा है कि मोती नगर रेड लाइट पर रास्ते का ध्यान नहीं होने के कारण गलती से वह पंजाबी बाग की तरफ मुड़ गई और सर्विस लाइन के पास चार युवकों ने महिला पर भद्दे कमेंट किए।

अब 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बनेगा ब्लू आधार कार्ड, ये है प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशिष्ट पहचान पत्र प्राधिकरण (nique Identification Authority of India UIDAI) ने ब्लू आधार कार्ड जारी करने की जानकारी दी है। इस आधार कार्ड का नाम होगा बाल आधार कार्ड और इसका रंग भी ब्लू होगा। यह आधार कार्ड पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए जारी किया जाएगा। इससे पहले सभी के लिए एक ही तरह के आधार कार्ड जारी किये जाते थे।

आधार कार्ड के ऑफीशियल ट्विटर हैंडल पर इस बात की जानकारी दी गई है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए 'बाल आधार कार्ड' लाया जा रहा है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ये आधार कार्ड बिना किसी बायोमैट्रिक डिटेल्स के बन जाएगा।

बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र और माता-पिता में से किसी भी एक के आधार कार्ड के नंबर के जरिए 'बाल आधार' बनवाया जा सकता है। लेकिन जैसे ही बच्चा पांच साल की उम्र पार कर लेगा उसके बाद उसका वैरिफिकेशन करवाना होगा। इसके अलावा जब बच्चा 15 साल का हो जाएगा उसके बाद एक बार फिर उन्हें अपना आधार अपडेट करवाना होगा। बच्चों के लिए बायोमेट्रिक अपडेट निशुल्क होगा।

कैसे बनेगा बाल आधार :

1. सबसे पहले तो नामांकन केंद्र जा कर फॉर्म भरें।
2. बच्चे का जन्म प्रमाणपत्र और किसी भी एक पैरेंट का आधार नंबर दें।
3. एक मोबाइल नंबर भी आपको देना पड़ेगा।
4. आवेदक की उम्र 5 साल से कम है इसलिए उसके बायोमेट्रिक की जरूरत नहीं होगी। केवल फोटो की आवश्यकता होगी। जब वह बच्चा 5 साल के ज्यादा का हो जाएगा तब उसका बायोमेट्रिक होगा।
5. बच्चे का एक फोटो क्लिक किया जाएगा।
6. बच्चे का 'आधार' उसके माता/पिता के यूआईडी(आधार कार्ड नंबर) से लिंक किया जाएगा।
7. कनफर्मेशन के बाद स्वीकृति पर्ची मिलेगी।
8. जब रजिस्ट्रेशन और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया खत्म हो जाएगी तब एक रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस आएगा। ये एसएमएस आने के 60 दिनों के भीतर बच्चे का आधार कार्ड नंबर मिला जाएगा।

आप नेताओं ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर की मांग

मंत्री पर हमला करने वालों पर कार्रवाई करें

नई दिल्ली। आप प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक से मुलाकात कर ''न्याय' की मांग की तथा मंत्री इमरान हुसैन व दिल्ली डॉयलाग कमिशन के उपाध्यक्ष अशीष खेतान पर हुए कथित हमले से संबंधित मामलों में कार्रवाई करने को कहा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह व प्रवक्ता आशुतोष ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने दिल्ली सचिवालय में विगत 20 फरवरी को हुए इस कथित हमले के बारे में पटनायक को ''वीडियो साक्ष्य' सौंपे। आशुतोष ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने 19 व 20 फरवरी के बीच की रात्रि में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के आवास पर राज्य के मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हुए कथित हमले को लेकर आप विधायकों प्रकाश जारवाल और अमानतुल्ला खान पर कार्रवाई करने के मामले में काफी तेजी दिखायी। आशुतोष ने सवाल किया कि आप विधायकों को गिरफ्तार किया जबकि उन्होंने (अंशु प्रकाश) ने कोई साक्ष्य पेश नहीं किया। दिल्ली के मंत्री इमरान हुसैन व आशीष खेतान पर हुए जानलेवा हमले का क्या, जिन्हें कैबिनेट मंत्री के रैंक का दर्जा हासिल है। प्रतिनिधिमंडल की पुलिस आयुक्त से मुलाकात के तीन दिन पहले ही दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री के आवास में जाकर अंशु प्रकाश के खिलाफ कथित हमले के बारे में सीसीटीवी फुटेज एकत्र किये थे।

दिल्ली में लागू होगी एकीकृत एफएआर पण्राली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्वर्जन चार्ज व पार्किंग चार्ज प्रत्येक वर्ष नहीं देना होगा, एक मुश्त या अधिकतम चार किश्तों में करना होगा भुगतानबेसमेंट का व्यवसायिक प्रयोग के लिये भी सभी सड़कों के लिये समान नियमबेसमेंट का व्यावसायिक प्रयोग करने पर कन्वर्जन चार्ज व सुरक्षा संबधित अनापत्ति लेनी होगी आवश्यकमास्टर प्लान 2021 के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी पार्किंगजिन सड़कों पर पार्किंग नहीं होगी, वह सड़कें केवल पैदल यात्रियों के लिए होंगीमास्टर प्लान 2021 के तहत 351 सड़कों को व्यवसायिक व मिक्स लैंड किया जायेगा अधिसूचित 5 से 11 किलोवाट बिजली कनेक्शन वाले मकानों व सेवा संबधित उद्योगों को श्रम,उद्योग व प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड से लेनी होगी अनापत्ति आवासीय क्षेत्रों की सर्विस लेन में प्रतिबंधित होगा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का आवागमनगांवों में 30 मीटर, 12 मीटर व 9 मीटर की सड़कों पर ही होंगे।

नैरोबी में मुरारी बापू ने किया आलोक श्रीवास्तव की पुस्तक का विमोचन

नैरोबी (एजेंसी)। कवि और टीवी पत्रकार आलोक श्रीवास्तव के कहानी-संग्रह 'आफ़्रीन' का नया संस्करण राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह का लोकार्पण नैरोबी में संत मुरारी बापू ने किया। मुरारी बापू इस समय नैरोबी में 'रामकथा' के लिए आए हुए हैं। आलोक श्रीवास्तव जाने-माने शायर और टीवी पत्रकार हैं। जो यहाँ 'रामकथा' में आयोजित मुशायरे के लिए आए थे। यहीं मुरारी बापू ने उनके कथा-संग्रह का विमोचन किया। छोटी-छोटी कहानियों के संग्रह 'आफ़्रीन' की भूमिका ख्यात आलोचक नामवर सिंह ने लिखी है।

भ्रष्टाचार व सीलिंग पर विपक्ष ने नहीं चलने दी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली नगर निगम की बैठक में सत्तापक्ष की ओर से मुख्य सचिव अंशुप्रकाश के साथ मारपीट के मामले में निन्दा प्रस्ताव लाने पर विपक्ष ने हंगामा किया। विपक्ष के नेता राकेश कुमार ने मेयर प्रीति अग्रवाल एवं नेता सदन जयेंद्र डबास पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए इस्तीफे की मांग की। हंगामे के बीच मेयर ने एक बार थोड़ी देर के लिए मीटिंग स्थगित कर दी, दोबारा बैठक शुरू होते ही विपक्ष फिर हंगामा करने लगा। इसके चलते मेयर ने एजेंडा पास कर मीटिंग समाप्त कर दी। सीलिंग को लेकर भी विपक्ष ने सत्तापक्ष पर हमला बोला। सोमवार को हुई नगर निगम की बैठक में सत्तापक्ष ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की मौजूदगी दिल्ली के मुख्य सचिव अंशुप्रकाश के साथ हुई मारपीट का मामला उठाते हुए निन्दा की और मुख्यमंत्री से सार्वजनिक रूप से मांफी मांगने की बात कही। निन्दा प्रस्ताव रखते ही विपक्ष ने हंगामा काट दिया और नारेबाजी करते हुए बेल में आ गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि नेता सदन सरकारी जमीन कब्जाना चाहते हैं। जबकि गांव पंचायत की इस जमीन पर न्यायालय ने भी किसी तरह के निर्माण पर रोक लगा रखी है। राकेश कुमार ने कहा कि वह इसका सड़क से लेकर

मुख्य सचिव के मुद्दे पर दिल्ली सरकार के विरुद्ध भाजपा का निन्दा प्रस्ताव

सदन तक विरोध करें।

31 मार्च तक जुर्माने से राहत : उत्तरी दिल्ली नगर निगम की बैठक में सत्तापक्ष ने धारा 74 का उल्लेख करते हुए अनधिकृत कालोनियों में रह रहे लोगों को 31 मार्च तक एक मुश्त प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने पर जुर्माने एवं ब्याज में छूट देने का प्रावधान किया है। इस प्रस्ताव को पास कर दिया गया। नेता सदन जयेंद्र डबास ने तर्क दिया है कि दक्षिणी एवं पूर्वी दिल्ली नगर निगम अपने यहां पहले ही इसकी घोषणा कर चुके हैं। मेयर ने निगमायुक्त को निर्देश दिया है कि अनधिकृत कालोनियों के रिहायशी संपत्तियों के मालिकों को 31 मार्च तक इसका लाभ दिया जाये।

लाल डोरा का मौजूदा क्षेत्र बढ़ाने का संकल्प :

सत्तापक्ष ने गावों में बने गोदाम/बेयर हाउसों के मालिकों को सीलिंग से राहत दिलाने के लिए निगम की बैठक में लाल डोरा एक्सटेंड (बढ़ाने) का प्रस्ताव रखा, जिसे पास कर दिया गया। प्रस्ताव में मांग की गई है कि जब तक मास्टर प्लान में संशोधन नहीं होता है, तब तक अस्थायी तौर पर लोगों को राहत प्रदान की जाये।

मालदीव ने भारत के साथ नौसैनिक अभ्यास करने से किया मना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल सुनील लांबा ने आज कहा कि मालदीव ने द्विवार्षिक नौसेना अभ्यास में शिरकत का भारत का निमंत्रण ठुकरा दिया है।

'मिलन' नाम का यह नौसेना अभ्यास 6 मार्च से शुरू होना है। नेवी चीफ एडमिरल लांबा ने बताया कि मालदीव ने निमंत्रण ठुकराने के पीछे कोई कारण नहीं बताया है।

नौसेना सूत्रों ने बताया कि 16 से ज्यादा देश इस अभ्यास में अपनी शिरकत की पुष्टि कर चुके हैं। द्विवार्षिक नौसेना अभ्यान 'मिलन' का आयोजन अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में होना है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सामुद्रिक ताकत को ध्यान में रखते हुए 'मिलन' का आयोजन किया जा रहा है। नौसेना के अधिकारियों का कहना है कि अभ्यास के दौरान दूसरे देशों के नेवी चीफ के बीच विचार-विमर्श के दौरान यह मुद्दा भी उठ सकता है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता डीके शर्मा ने कहा कि 'मिलन' अभ्यास के दौरान समुद्री सैनिक गतिविधियों को लेकर क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने और समुद्र में गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने पर विचारों का आदान-प्रदान भी होगा।

प्रवक्ता ने बताया कि इस अभ्यास में शामिल होने वाले देशों की नौसेनाओं के बीच उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए एक बेहतर तालमेल बनेगा।

भारत और अमेरिका समेत कई अन्य देश साउथ चाइना सी के विवाद में चीन को काउंटर करने की कोशिश कर रहे हैं। चीन इस क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बढ़ाने की कोशिश कर रहा है जबकि बाकी देश स्वतंत्र आवाजाही को बढ़ावा देने की वकालत कर रहे हैं। इस नौसेना अभ्यास में इस मुद्दे को भी उठाया जाएगा।

»» सिसोदिया ने एलजी को लिखा पत्र शिक्षा विभाग की बैठक में नहीं आया एक भी अधिकारी

बैठकों में अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर कहा कि उनकी संस्कृत अकादमी की बैठक में सोमवार को वित्त सचिव व संस्कृति विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी अनुपस्थित रहे। उपराज्यपाल से गुहार लगाई है कि मंगलवार को स्कूली शिक्षा में सुधार विषय पर सेमिनार आयोजित किया जा रहा है जिसमें देशभर के शिक्षाविद उपस्थित होंगे। इस सेमिनार में शीर्ष अधिकारी उपस्थित हों, इसे सुनिश्चित करें। सिसोदिया ने पत्र में लिखा है कि पिछली मुलाकात में आपने कहा था कि अधिकारी बैठकों में शामिल होंगे। आज मैंने संस्कृत अकादमी की बैठक तीन बजे बुलाई थी जिसमें वित्त सचिव एसएन सहाय व संस्कृति सचिव मनीषा सक्सेना को शामिल होना था। करीब दो बजे संस्कृति सचिव ने जानकारी दी कि न वे स्वयं व न वित्त सचिव ही इस बैठक में शामिल होंगे। यानि दोनों अधिकारी बैठक में शामिल नहीं हुए। इसके अलावा आज पांच बजे मैंने मिड डे मील विषय पर बैठक बुलाई जिसमें एक भी अधिकारी नहीं आया। इसलिए संस्कृत अकादमी की बैठक को अब 28 फरवरी को तय किया गया है जबकि मिड डे मील की बैठक को पांच मार्च के लिए तय किया गया है। सिसोदिया ने उपराज्यपाल ने आग्रह किया अगली बैठकों में अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

नागालैंड:भारत के कई बड़े और धनी राज्यों को इन मामलों में लेनी चाहिए सीख

नई दिल्ली। नागालैंड 1 दिसंबर, 1963 को भारतीय गणराज्य का 16वां राज्य बना। इस राज्य के पूर्व में म्यांमार, उत्तर में अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम में असम और दक्षिण में मणिपुर से घिरा हुआ है। इसकी राजधानी कोहिमा है और इसे 'पूरब का स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है। नागालैंड राज्य का क्षेत्रफल 16,579 वर्ग कि.मी. है। नागालैंड का क्षेत्रफल कुवैत के बराबर है और आबादी 20 लाख के करीब है। इस राज्य में 16 जनजातियां और 20 उप जनजातियां हैं। नागालैंड की 87.93त्न आबदी क्रिस्चियन है। इस राज्य की आधिकारिक भाषा अंग्रेजी है, लेकिन 30 से अधिक दूसरी भाषाएं और बोलियां भी हैं।

अगर प्रति व्यक्ति आय की बात करें तो 78,367 रुपये के साथ नागालैंड का भारतीय राज्यों में 22वां स्थान है। यह राष्ट्रीय औसत से 86, 454 रुपये से कम है, फिर भी छत्तीसगढ़ (78,001 रुपये) और राजस्थान (75,201 रुपये) से अधिक है। नागालैंड प्रति व्यक्ति आय के मामले कई उत्तर पूर्वी राज्यों जैसे मेघालय (64,638 रुपये), असम (52,895 रुपये) से आगे है। यह आंकड़े इंडियन इकोनॉमिक सर्वे 2016-17 के हैं। नागालैंड में साक्षरता दर 80.11त्न है। पुरुषों में साक्षरता की दर 83.29त्न और महिलाओं में साक्षरता की दर 76.89त्न है।

कई बड़े राज्यों से आगे है नागालैंड

इकोनॉमिक सर्वे 2016-17 में 20 मानकों पर किए गए एक सर्वेक्षण में नागालैंड भारत के टॉप 5 धनी राज्यों में शामिल था। इस सर्वेक्षण में कुल 14 राज्यों को शामिल किया गया था, जिसमें केरल पहले और गोवा दूसरे स्थान पर था। नागालैंड में अगर लैंगिक समानता की बात करें तो घरेलू मामलों में कोई फैसला लेने में इस राज्य की 97.4त्न महिलाएं शामिल होती हैं।

अगर स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों की बात करें तो नागालैंड में एनिमिया यानी खून की कमी से जूझ रहीं महिलाओं का प्रतिशत 23.9त्न है, जो कई अन्य विकसित और साधन संपन्न राज्यों की तूलना में काफी कम है।

बाल विवाह की बत करें तो इसमें नागालैंड 13.3% के साथ कई बड़े राज्यों से काफी अच्छा है। घरेलू हिंसा के मामले में 12.7% के साथ नागालैंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं से वंचित नागालैंड इंस्टिट्यूशनल बर्थ के मामले में 32.8त्न के साथ देश में सबसे निचले पायदान पर है।

नागालैंड में मात्र 15 प्रतिशत गर्भवति महिलाओं को चिकित्सीय परामर्श मिल पाता है।

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें और झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें -धम्मपद

लोकतंत्र को ज्ञानतंत्र

सरल हिन्दी में, लोकतंत्र वह शासन पद्धति है, जिसमें आदमियों को गिना जाता है, तौला नहीं जाता। यानी यह नहीं देखा जाता कि किसकी बात में कितना वजन है, फैसला यह गिन कर किया जाता है कि कितने हाथ प्रस्ताव के पक्ष में उठे हुए हैं। हाथ दिमाग पर भारी पड़ते हैं। फिर भी लोकतंत्र को व्यापक स्तर पर अपनाया गया तो इसीलिए कि दुनिया की कोई भी अन्य शासन पद्धति इससे बेहतर नहीं है। यह समस्या आज भी बनी हुई है। लोकतंत्र की सीमाएं उजागर हो चुकी है, यह देखा जा चुका है कि लोकतंत्र की सीढ़ियां चढ़ते हुए हिटलर जैसा आदमी भी शासन में आ सकता है, लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर जॉर्ज बुश इराक पर हमला कर सकता है।

सतीश पेडणोकर

लोकतंत्र के बारे में वे सारे शक सही निकले जो उसकी शुरु आत में बहुत-से लोगों के मन में थे। सब से भारी तर्क यह था कि लोकतंत्र में एक विद्वान के वोट का मूल्य एक मूर्ख जितना ही होता है। यह एक अलग प्रश्न है कि विद्वानों ने दुनिया का कितना भला किया है और कितना बुरा? मूखरे के बारे में कहा जा सकता है कि उनमें स्वयं को छोड़ कर किसी और का नुकसान करने की क्षमता ही नहीं होती। क्या लोकतंत्र भीड़तंत्र होता है? इसका जवाब हां में देते हुए उर्दू के महान शायर अकबर इलाहाबादी ने कहा था: जम्हूरियत इक तर्जे-हुकूमत है कि जिसमें, बंदों को गिना करते हैं तौला नहीं करते। सरल हिन्दी में, लोकतंत्र वह शासन पद्धति है, जिसमें आदमियों को गिना जाता है, तौला नहीं जाता। यानी यह नहीं देखा जाता कि किसकी बात में कितना वजन है, फैसला यह गिन कर किया जाता है कि कितने हाथ प्रस्ताव के पक्ष में उठे हुए हैं। हाथ दिमाग पर भारी पड़ते हैं। फिर भी लोकतंत्र को व्यापक स्तर पर अपनाया गया तो इसीलिए कि दुनिया की कोई भी अन्य शासन पद्धति इससे बेहतर नहीं है। यह समस्या आज भी बनी हुई है। लोकतंत्र की सीमाएं उजागर हो चुकी है, यह देखा जा चुका है कि लोकतंत्र की सीढ़ियां चढ़ते हुए हिटलर जैसा आदमी भी शासन में आ सकता है, लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर जॉर्ज बुश इराक पर हमला कर सकता है, ट्रंप जैसे कट्टरतावादियों को भी बहुमत से चुना जा सकता है और लोकतंत्र में जनता का मुख्य काम हो जाता है एक भ्रष्ट शासक को दूसरे भ्रष्ट से बदलना। यह अनुभव तीसरी दुनिया का ही नहीं है, पश्चिम में भी लोकतंत्र फेल हो चुका है। वहां भी समाज एक तरफ जा रहा है और शासन दूसरी तरफ। तीसरी दुनिया के लोगों को विकल्प की सब से ज्यादा जरूरत है, पर वहीं विकल्प की चेतना सब से कम है। एक मिसरा कहता है कि ''मेरी कश्ती वहीं डूबी जहां पानी सब से कम था'। यह स्थिति हम तो स्वीकार कर लेते हैं, पर पश्चिम के दिमाग में कोई-न-कोई कीड़ा हमेशा कुलबुलाता रहता है। नई-नई चीजें सोचने में वे आगे हैं। इस मामले में उनका उत्साह देखते ही बनता है। पश्चिमी चिंतकों में कुछ वर्षो से यह बहस चल रही है कि लोकतंत्र को क्यों न ज्ञानतंत्र में बदला जाए? भारत में भी ज्ञान-आधारित समाज बनाने की मुहिम छिड़ी हुई है। माना जा रहा है कि जिसकी पहुंच कंप्यूटर या इंटरनेट तक है, वह ज्ञानी है। ज्ञान और सूचना के संबंध की बात छोड़ दी जाए, तो ज्ञानतंत्र के समर्थकों का कहना यह है कि चूंकि लोकतंत्र कोई सीधी-सरल व्यवस्था नहीं है और सरकार को बहुत ही जटिल स्थितियों में निर्णय लेना पड़ता है, इसलिए आज के लोकतंत्र को मूर्ख और अज्ञानी नहीं चला सकते। वे जितना अधिक सूचना-संपन्न होंगे, उतने ही विवेक से वोट दे सकते हैं और सरकार चुन सकते हैं। वोटर का अज्ञान राजनीतिज्ञ के अहंकार को मजबूती देता है। इसलिए प्रस्ताव यह है कि सभी वोटरों के मत को एक जैसा मान न दिया जाए। जो मतदाता ज्यादा सूचना-संपन्न है, उसकी राय को बीस-पचीस प्रतिशत अधिक मूल्यवान माना जाए। मतदाताओं को सूचना-संपन्न बनाने के लिए अभियान चलाया जाए। समय-समय पर परीक्षाएं आयोजित की जाएं, यह देखने के लिए कि किसकी सूचना-संपन्नता का स्तर क्या है? राज्य तंत्र पर सब से ज्यादा विचार करने वाले प्लेटो ने दार्शनिक राजा की कल्पना की थी और कहा था कि कोई दार्शनिक ही राजा होने के योग्य है। इस तरह, लोकतंत्र को ज्ञानतंत्र में बदलने वाले उत्साहियों का मानना यह है कि दार्शनिक राजा की कल्पना तभी साकार हो सकती है, जब नागरिक भी दार्शनिक हों। ज्ञानी नागरिक ही ज्ञानी शासकों का चुनाव कर सकते हैं। लोकतंत्र की अस्तित्वगत बुराई यह नहीं है कि शासक भ्रष्ट हैं, बुराई यह है कि मतदाता अक्षम हैं। वे सही प्रतिनिधियों का चुनाव करना नहीं जानते। इसलिए लोकतंत्र को सुधारना है तो सब से पहले नागरिकों में सुधार लाना होगा वे ही लोकतंत्र की नींव हैं। कोई भी विचार किसी एक जगह पैदा नहीं होता। ज्ञानतंत्र की अनुगूंज हमारे यहां भी सुनी जाने लगी है। बल्कि पंचायतों में तो इस पर अमल भी शुरू हो गया है। पंच-सरपंच से ले कर जिला परिषद के सदस्यतों और पदाधिकारियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित कर दी गई है। कुछ राज्यों में तो यह शर्त भी है कि जो पंचायत का चुनाव लड़ेगा उसके घर में पक्का शौचालय होना चाहिए। कहने की जरूरत नहीं कि यह सांड़ को सींग से नहीं, उसकी पूंछ से पकड़ने की कवायद है। बजाय सभी नागरिकों के लिए शिक्षा और स्वच्छता की सुविधाएं जुटाने की, हम लायक पंचायत अधिकारियों का चुनाव करने

में लग गए हैं। यह लोकतंत्र
सिर के बल खड़ा कर देना
नागरिक राजा को नहीं चुन
हैं, राजा नागरिकों को चुन
हैं। यह सर्वतंत्र को कुछतंत्र
बदलने की साजिश है, जिस
ओर न्यायालयों का भी ध्य
नहीं गया है और उन्होंने इस त
की ऊलजलूल शतरे
न्यायिक वैधता प्रदान कर
है। लेकिन जो लोग लोक
को ज्ञानतंत्र में बदलने का उत्
दिखा रहे हैं, वे षड्यंत्रकारी
हैं। उनकी चिंता लोकतंत्र
पूर्ण बनाने की है। उन्हें व
बताए कि मनुष्य की त
लोकतंत्र भी अपूर्ण होने
बाध्य है। लोकतंत्र की खूबसू
ही इस मान्यता में है कि
आदमी बराबर है। इस बरा
को मिटा दिया जाए, तो
ऐसी विषमता का निर्माण हो
जो नई-नई विषमताओं
रचना करेगी। इतनी
महत्त्वपूर्ण बात यह है
सूचना-संपन्न होना ही ज्ञानी ह
नहीं है। सट्टा बाजार के खिल
बहुत अधिक सूचना संपन्न ह
हैं। उन्हें अर्थव्यवस्था अ
राजनीति में होने वाले छो
मोटे परिवर्तनों की भी जानकारी होती है। लेकिन वे अपनी इस जानक
का उपयोग राष्ट्रहित में नहीं करते हैं। यदि हम ज्ञानतंत्र के नाम
लोकतंत्र को एक विशिष्ट तबके तक सीमित कर देंगे, तो हो सकत
तकनीकी अर्थ में लोकतंत्र बेहतर हाथों में हों, पर बहस और विचार
स्वतंत्रता सीमित हो जाने पर बेहतर कब बदतर में बदल जाएगा, व
कहा नहीं जा सकता। जिन्हें अपने ज्ञान पर बहुत गर्व है, उनसे
निवेदन किया जा सकता है कि वे उसे जन-जन तक ले जाएं, इस
उसकी सार्थकता है। लोकतंत्र भी इसे ही कहते हैं।

महिलाओं की भागीदारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में महिलाओं की बराबर भागीदारी को सुनिश्चित करने को जिस तरह न्यू इंडिया के सपने से जोड़ा वह वाकई स्वागतयोग्य है। वैसे पहली बार नहीं है कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं के उत्थान व उन्हें समाज की अगली पंक्ति में लाने के लिए काम करने का आह्वान करते हुए उसके प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा काफी समय से चल रहा है। एक समय प्रधानमंत्री ने सेल्फी विद डॉटर कार्यक्रम का आह्वान किया था, जिसका व्यापक असर हुआ था। किंतु न्यू इंडिया के सपने से इसे जोड़ना महत्त्वपूर्ण है। उनका यह कहना भी सही है कि भारत में प्राचीन काल में महिलाओं की स्थिति पुरु षों के समकक्ष या कई बार पुरु षों से बेहतर थी। उदाहरण के लिए श्रीकृष्ण के यशोदानंदन, श्रीराम के कौशल्यानंदन आदि नाम मातृशक्ति के समाज में प्रतिष्ठित होने के प्रमाण हैं। उनका यह सुझाव भी स्वीकार करने योग्य है कि आने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिन महिलाओं ने 100 की उम्र पूरी की है, उनके सम्मान में कार्यक्रम रखा जाए। जगह-जगह हमने ऐसी महिलाएं खोजकर सम्मानित करने का कार्यक्रम किया तो इसका मनोवैज्ञानिक असर होगा। वास्तव में परिवार से लेकर समाज व देश की उन्नति में महिलाओं का योगदान किसी तरह पुरुषों से कम नहीं है। कई मायनों में तो ज्यादा ही है। और जहां कमी है, वह हमारी सामाजिक और सरकारी व्यवस्थाओं के कारण है, जिनमें आमूल बदलाव की जरूरत है। प्रधानमंत्री अपने मन की बात में इसी ओर इशारा कर रहे थे। सामाजिक-आर्थिक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की बराबर भागीदारी सुनिश्चित करना समाज व सरकार का कर्तव्य है। न्यू इंडिया मोदी की एक व्यापक कल्पना है, जिसमें इस संकल्प को स्वीकार किया गया है। वैसे तो महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन पुरुषों के समकक्ष होने का लक्ष्य अभी काफी दूर है। वास्तव में यह संकल्प इतनी आसानी से साकार नहीं हो सकता। इसके लिए कमर कसने की जरूरत है। राजनीतिक पार्टियां और सरकारें तो नीति-निर्माण में उनकी ज्यादा संख्या में भूमिका को सुनिश्चित करें। लेकिन यह केवल सरकार के बूते की बात नहीं है। समाज को भी अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। उम्मीद करनी चाहिए कि मोदी के आह्वान का समाज पर असर होगा। हम वाकई महिलाओं और पुरु षों की समान भागीदारी से न्यू इंडिया के सपने को साकार होते हुए देखेंगे।

''राष्ट्रोदय कार्यक्रम'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने मेरठ में आयोजित ''राष्ट्रोदय कार्यक्रम'में हिन्दू धर्म की जिस दार्शनिक धारा की व्याख्या की है, वह कोई नया वैचारिक ढांचा खड़ा नहीं करती है। यह संघ परिवार की पारंपरिक सोच है, जो हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा में जाकर समाहित होती है और अंततः उसे और पुख्ता ही करती है। उन्होंने कट्टर हिन्दुत्व के विचार को स्पष्ट करते हुए कहा कि हिन्दू कट्टर है- सत्य के लिए, अहिंसा के लिए, पराक्रम के लिए और उदारता के लिए। निस्संदेह, विचार और भाषणों के स्तर पर यह उत्तेजनामूलक और पवित्र विचार लग सकता है लेकिन सवाल यह है कि क्या इसे इस धर्मनिरपेक्ष देश की सरजमीन पर लागू किया जा सकता है? असलियत तो यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके आनुषांगिक संगठनों में शामिल कथित धर्म ध्वजावाहक बाबा, मनचले और लंपट तत्व हिन्दू धर्म के नाम पर जिस तरह का उन्माद पैदा करते रहते हैं, उससे हिन्दुत्व की दार्शनिक धारा लगातार प्रदूषित हो रही है। भारत का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है और यही इसकी ताकत भी है। इसमें अनेक धर्मो, संप्रदायों, पंथों और भाषाओं के लोग रहते हैं। सिर्फ रहते नहीं, अपनी जातीय पहचान और इस पहचान को बनाए रखने की आतुरता के साथ रहते हैं। ऐसे में संपूर्ण राष्ट्र को स्वयंसेवक बनाने का विचार कल्पनालोक में विचरने जैसा है। संघ की सबसे बड़ी चुनौती भारतीय समाज में प्रचलित वर्ण व्यवस्था है। जाति जैसे नकारात्मक कारक से निपटने का क्या रास्ता है, यह आज तक संघ परिवार तलाश नहीं सका है।

ऐसे में मुसलमान, ईसाई, सिख और अन्य पंथों और संप्रदायों को मानने वाले लोग संघ की हिन्दुत्व छतरी के नीचे कैसे आएंगे, यह भी एक विचारणीय प्रश्न है। हिन्दुओं में भी एक बड़ा तबका ऐसे बुद्धिजीवियों और पढ़े-लिखे लोगों का है जो धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिकता की कसौटी पर परखता है। ऐसे लोग संघ परिवार में शामिल होना नहीं चाहेंगे। कर्मकांडी, पोंगापंथी और अंधविासी तत्वों का जमावड़ा है, सो अलग। संघ परिवार की कोशिश यह होनी चाहिए कि हिन्दू धर्म और अधिक उदार बने और अपनी कमजोरियों से मुक्त हो।

सत्संग

शिक्षक

शिक्षक बुनियादी रूप से इस जगत में सबसे बड़ा विद्रोही व्यक्ति
ोना चाहिए। लेकिन शिक्षक है सबसे बड़ा दकियानूस और
डिशनलिस्ट। वही दोहराए जाता है पुराने कचरे को। आपने सुना है
क कोई शिक्षक क्रांतिपूर्ण हो? वह सबसे ज्यादा दकियानूस, ऑर्थोडॉक्स
, इसलिए सबसे खतरनाक है। समाज उससे हित नहीं, अहित पाता
। शिक्षक को होना चाहिए विद्रोही-कौन-सा विद्रोही? मकान में
ाग लगा दें आप, या कुछ और कर दें या जाकर ट्रेन उलट दें या बसों
ं आग लगा दें, मैं उनको नहीं कह रहा हूं, गलती से वैसा न समझ लें।
ं कह रहा हूं कि हमारे जो मूल्य हैं, हमारी जो वैल्यूज हैं उनके बाबत
वद्रोह का रुख, विचार का रुख होना चाहिए कि यह मामला क्या है।
ब आप एक बच्चे को कहते हैं कि तुम गधे हो, नासमझ हो,
ुद्धिहीन हो, देखो उस दूसरे को, वह कितना आगे है, तब विचार करें
क यह कितने दूर तक ठीक है, और कितने दूर तक सच। क्या दुनिया
ं दो आदमी एक जैसे हो सकते हैं? क्या सभंव है कि जिसको आप
ाधा कह रहे हैं, वह वैसा हो जाएगा जैसा कि आगे खड़ा है। क्या यह
ाज तक संभव हुआ है? हर आदमी जैसा है, अपने जैसा है, दूसरे
ादमी से कंपेरीजन का कोई सवाल ही नहीं। किसी दूसरे आदमी से
सकी कोई कंपेरीजन नहीं। एक छोटा कंकड़ है, वह छोटा कंकड़ है;
क बड़ा कंकड़ है, वह बड़ा कंकड़ है! एक छोटा पौधा है, वह छोटा
ौधा है; एक बड़ा पौधा है, वह बड़ा पौधा है! एक घास का फूल है,
ह घास का फूल है; एक गुलाब का फूल है, वह गुलाब का फूल है!
कृति का जहां तक संबंध है, घास के फूल पर नाराज नहीं है और
ुलाब के फूल पर प्रसन्न नहीं है। घास के फूल को भी प्राण देती है
तनी ही खुशी से जितनी गुलाब के फूल को देती है। और मनुष्य को
टा दें तो घास के फूल और गुलाब के फूल में कौन छोटा है, कौन
ड़ा? कोई छोटा और बड़ा नहीं है! घास का तिनका और बड़ा भारी
ीड़ का दरख्त..तो यह महान है और यह घास का तिनका छोटा है?
ो परमात्मा कभी का घास के तिनके को समाप्त कर देता और चीड़ के
रख्त रह जाते दुनिया में। नहीं, लेकिन आदमी की वैल्यूज गलत हैं।
मरण रखें कि इस संबंध में मैं आपसे कुछ गहरी बात कहने का

चलते चलते

भारत पाक क्रिकेट मैच

पाकिस्तान नामक देश से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल-जवाब इस प्रकार हैं। सवाल-पाकिस्तान आतंक की फाइनेंसिंग क्यों करता है? जवाब-पाकिस्तान सिर्फ आतंक की फाइनेंसिंग करता है ऐसा कहना, पाकिस्तान की बेइज्जती है। वह आतंकी आवास योजना भी चलाता है। ओसामा बिन लादेन कहां पाये गए थे-पाकिस्तान में। दाऊद इब्राहीम कहां रहते हैं-पाकिस्तान में। मुंबई आतंक कांड का हत्यारा कसाब कहां से आया था

पकिस्तान पर फिर आतंक की फाइनेंसिंग के आरोप हैं। तमाम देशों ने पाकिस्तान को आतंक की फाइनेंसिंग गतिविधियों के लिए वॉचलिस्ट में रख दिया है। पाकिस्तान नामक देश से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल-जवाब इस प्रकार हैं। सवाल-पाकिस्तान आतंक की फाइनेंसिंग क्यों करता है? जवाब-पाकिस्तान सिर्फ आतंक की फाइनेंसिंग करता है ऐसा कहना, पाकिस्तान की बेइज्जती है। वह आतंकी आवास योजना भी चलाता है। ओसामा बिन लादेन कहां पाये गए थे-पाकिस्तान में। दाऊद इब्राहीम कहां रहते हैं-पाकिस्तान में। मुंबई आतंक कांड का हत्यारा कसाब कहां से आया था-पाकिस्तान से। पाक सेना की सरपरस्ती में हाफिज सईद कहां रहता है-पाकिस्तान में। सवाल-पाकिस्तान के हुक्मरानों से इस संबंध में पूरी दुनिया बात क्यों नहीं करती? जवाब-किससे करें। आतंकी ही सेना हैं, और सेना ही आईएसआई। आईएसआई ही हाफिज सईद है। हाफिज सईद ही कसाब है और कसाब ही पाकिस्तानी नेता। सवाल-ऐसा है, तो जम्मू-कश्मीर विधानसभा में फारुख अबदुल्ला के विधायक पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे क्यों लगाते हैं? जवाब-फारुख साहब जैसे कई नेता हैं, जो जब बेरोजगार होते हैं, और आधे पाकिस्तानी हो जाते हैं। फारुख साहब का सवाल खालिस रोजगार का सवाल है। सवाल-पाकिस्तान का होगा क्या ?जवाब-पाकिस्तान ने इतने पैसे उधार ले लिए हैं चीन से कि अब धीमे-धीमे पाकिस्तान राज्य बिकना शुरू होंगे। सवाल-पाकिस्तान अगर चीन बन गया तो क्या होगा? जवाब-बहुत नुकसान हो जाएगा क्रिकेट का, बहुत नुकसान हो जाएगा इश्तिहारी जगत का। भारत चीन क्रिकेट मैच में किसी की कोई दिलचस्पी ना होगी। भारत पाक क्रिकेट मैचों में बहुत इश्तिहार आते हैं, इनके चलते बहुत आइटम बिक जाते हैं। ये आइटम भी ना बिक पाएंगे। इस तरह से हम देख सकते हैं कि पाकिस्तान के चीन बनने से क्रिकेट का, उद्योग जगत का और अर्थव्यवस्था का घणा नुकसान होगा।

फोटोग्राफी...

यह फोटो अमेरिका के 'ग्रेट सेन्ड ड्यूनसनेशन प्री ज़र्व' (कोलोराडो) का है, जिसे क्रिस बर्कर्ड ने क्लिक कि या है, वे पेशेवर एरियल फोटोग्राफर हैं। उन्होंने बताया कि यह फोटो एक वीडियो से लि या गया है। इसे उन्होंने अपने प्रोजेक्ट 'शॉट्स फ्रॉम अबोव' के लिए क्लिक किया है। क्रिस ने बताया कि यह एयरक्राफ्ट उनके मित्र क्रिस ब्रेडाइन ने खुद प्रायोगिक तौर पर अपने गैराज में तैयार किया है क्योंकि सभी जगहों पर हेलिकॉप्टर या छोटा विमान उपलब्ध नहीं होता। उनके इस प्रो जेक्ट में कोई प्रायोजक नहीं था, उड़ान के दौरान सेन्ड ड्यून्स का वीडियो तैयार करना जटिल काम था। वहां इतनी तेज ठंडी हवा चल रही थी कि ऐसा लग रहा था जैसे हम आर्कटि क में कहीं उड़ान भर रहे

फिल्म ''लम्हे' को याद

देवी महज 54 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा क
गई। इस 54 में से 51 साल उन्होंने फिल्मों को दिया। फिल्में सि
उनका कॅरियर नहीं थीं, बल्कि अपने इस कॅरियर को उन्होंने सामाजि
जीवन में बदलाव लाने का हथियार भी बनाया था। वह अपने ह
किरदार से एक नया मानक गढ़ देती थीं। ऐसा नहीं माना जा सकत
कि यह सब अनजाने में हो रहा था। चूंकि अभिनय की कला जीव
को देखने के संवेदनशील नजरिये से पैदा होती है। लिहाजा इ
मानने से परहेज नहीं किया जाना चाहिए कि उनकी फिल्मों
डायलॉग, किरदार और अभिनय सब कुछ सायास रहा होगा, क्योंवि
उनकी फिल्मों में ये तीनों मिलकर सामाजिक संवेदनशीलता के त
को बार-बार छेड़ देते थे। तमिल-तेलुगू और हिन्दी की कुल 30
फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरने वाली श्रीदेवी ने मह
चार साल की उम्र में अपने रूपहले परदे के सफर की शुरु आत क
दी थी। उस तमिल फिल्म में उनके किरदार का नाम भी श्रीदेवी ह
था। दिलचस्प है कि वह रोल किसी लड़की का नहीं, बल्कि लड़
का था। लगभग उसी उम्र के आस-पास उन्होंने हिन्दी फिल्म में
कदम रखा था। 1975 में रिलीज होकर हिन्दी सिनेमा के दर्शकों
बीच धूम मचा देने वाली फिल्म ''जूली' में लीड रोल जूली
बचपन का किरदार निभाया था। ''जूली' बिन ब्याही मां का सामाजि
क़ायदे-क़ानून से टकराने की कहानी थी। कमल हासन के सा
फिल्म ''सदमा' में उन्होंने बीस साल की उम्र वाली एक ऐस
लड़की का रोल निभाया था, जिसे अपनी बीती हुई जिंदगी याद न
है। उस बिसरे हुए मनोविज्ञान के साथ सात साल की मासूम लड़की
सा व्यवहार करने लगती है। फिल्मों के जरिये दर्शकों को अप
अभिनय, कहानियों और संवादों से झकझोरने का काम श्रीदेव
हमेशा ही करती रहीं। इस लिहाज से 1991 में रिलीज हुई उनकी ि
ल्म ''लम्हे' को याद किया जा सकता है। ''लम्हे' की पूजा
''जूली' की नायिका की ही तरह लीक को तोड़ती है। वह अपने
दोगुने उम्र के शख्स से प्यार करने की हिम्मत दिखाती है। ''लम्हे
की पूजा का किरदार सामाजिक नियम-बंधनों से टकराता था
सैद्धांतिक आदर्शवाद से लबरेज मिश्रित अर्थव्यवस्था के दर्शकों
व्यावहारिक वास्तविकता रास नहीं आई। यही कारण है कि फिल
''लम्हे' बॉक्स ऑफिस पर हिट नहीं हो पाई, लेकिन उस फिल्म
लिए श्रीदेवी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवार्ड मिला
''लम्हे' से ठीक दो साल पहले यानी 1989 में आई फिल्म ''चांदन
का उनका किरदार भी इस मायने में जुदा था कि वो पारंपरि
भारतीय लड़िकयों की छवि को तोड़ता था।

इस फिल्म में चांदनी अपने मंगेतर से ठुकरा दी जाती है,''मिस्ट
इंडिया' में उन्होंने जो कॉमेडी की थी और टाइमिंग का जो परफेक्श
था, दोनों ही कॉमेडी किंग्स को भी दांतो तले ऊंगली दबा लेने क
लिए विवश कर दिया था। उनकी आवाज और डायलॉग डिलीव
को लेकर सवाल उठाए जाते रहे, मगर उनकी यह कमजोरी ड्राम
डांस, कॉमेडी और एक्शन के उबलते दमदार कॉकटेल में उतरक
उठते सवाल के दायरे से भाप बनकर उड़ जाया करती थी। श्रीदेव
का एक्टिंग रेंज ''सदमा' से लेकर ''नगीना' जैसी फिल्मों के बी
तक फैला हुआ था। स्त्री होने की स्वाभाविकता के साथ श्रीदेव
रजत पटल पर अपनी सुंदरता से सिल्वर स्क्रीन को गोल्डन स्क्री
में बदल देती थीं। फिल्मों की कामयाबी की गारंटी को नायकों क
परिधि से नायिका की परिधि में खींच लेने वाली श्रीदेवी अब इ
जगत को छोड़ चुकी हैं, लेकिन फिल्म इतिहास उनकी कामयाबी

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर बोले स्टीव वा, कोहली थे जरूरत से ज्यादा आक्रामक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मोनाको। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वा का मानना है कि हाल में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर विराट कोहली जरूरत से ज्यादा आक्रामक थे लेकिन यह करिश्माई भारतीय कप्तान के रूप में उनके विकास का हिस्सा है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के 58 दिवसीय दौरे पर प्रभावी प्रदर्शन किया जिसमें टीम ने टेस्ट श्रृंखला 1-2 से गंवाने के बाद वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला क्रमशः 5-1 और 2-1 से जीती। वा ने यहां लारेस विश्व खेल पुरस्कारों के इतर कहा कि, 'मैंने उसे दक्षिण अफ्रीका में देखा और मुझे लगता है कि वह जरूरत से ज्यादा कर रहा था लेकिन यह कप्तान के लिए सीखने की चीज है।'

वा ने कहा कि कोहली को संतुलन बनाने की जरूरत है क्योंकि टीम में सभी खिलाड़ी उनकी तरह खुद को अभिव्यक्त करने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कप्तान के रूप में वह अब भी विकास कर रहा है और अपने रोमांच और भावनाओं को काबू में रखने के लिए उसे कुछ समय चाहिए लेकिन वह इसी तरह खेलता है।' वा ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसे सिर्फ इतना समझने की जरूरत है कि टीम में सभी लोग इस तरह नहीं खेल सकते। (अजिंक्य) रहाणे और (चेतेश्वर) पुजारा जैसे लोग काफी धैर्यवान और शांत हैं इसलिए उसे सिर्फ इतना समझने की जरूरत है कि कुछ खिलाड़ी अलग होते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह अभी काफी अच्छी तरह टीम की अगुआई कर रहा है। उसके अंदर वह करिश्मा और एक्स फेक्टर है और इसलिए वह चाहता है कि बाकी टीम भी उसका अनुसरण करे। वह चाहता है कि टीम हमेशा सकारात्मक होकर खेले और जितनी जल्दी हो सके जीत दर्ज करे।' वा ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में खेल के सभी प्रारूपों में उनका जीत का रिकार्ड काफी अच्छा है। विराट की अपनी टीम के लिए बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं। वह सभी प्रारूपों में नंबर एक बनना चाहता है जो आजकल मुश्किल है।'

कोहली और भारत की नजरें अब इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करने पर टिकी हैं जो टेस्ट क्रिकेट में उसकी अगली दो बड़ी चुनौतियां हैं। भारत इंग्लैंड में अगस्त और सितंबर में पांच टेस्ट की श्रृंखला खेलेगा जबकि 2018-19 की गर्मियों में टीम को आस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैच खेलने हैं। वा का हालांकि मानना है कि ऐसा करना आसान नहीं होगा और आस्ट्रेलिया में भारत की सफलता के लिए कोहली महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा, 'आस्ट्रेलिया में आस्ट्रेलिया प्रबल दावेदार होगा क्योंकि हमारा रिकार्ड इतना अच्छा है, जैसे भारत का भारत में। बेशक आस्ट्रेलिया में कोहली का प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा। पिछली बार उसने आस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन किया था।'

महान धावक बोल्ट अब खेलेंगे फुटबॉल

नई दिल्ली। धरती के सबसे तेज पुरुष धावक और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जमैका यूसेन बोल्ट बतौर फुटबॉलर एक क्लब से जुड़ गए हैं। 31 साल के बोल्ट ने सोशल मीडिया पर अपने 10 सेकेंड के एक वीडियो में इसकी जानकारी दी। हालांकि उन्होंने केवल इतना ही बताया कि वह एक फुटबॉल क्लब से जुड़ गए हैं और क्लब के नाम का खुलासा मंगलवार रात को करने वाले हैं। बोल्ट मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के बहुत बड़े प्रशंसक है। उन्होंने एक बार एक साक्षात्कार में कहा था कि एथलेटिक्स से संन्यास लेने के बाद वह फुटबॉल में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं। उन्होंने कहा था कि उनका सपना है कि वह मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम की तरफ से खेले। पिछले साल अगस्त में लंदन में हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बोल्ट आखिरी बार रेस में उतरे थे जहां उन्होंने 100 मीटर की रेस में तीसरे स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीता था। डोपिंग को लेकर जहां दुनिया के कई दिग्गज खिलाड़ी फंसे तो वहीं बोल्ट ने अपने करियर में अपनी छवि को भी बेदाग रखा और हमेशा खेलों में पारदर्शिता और ईमानदारी का समर्थन किया। बोल्ट ने पिछले तीन ओलंपिक खेलों में 'स्प्रिंट डबल' पूरा किया था और यदि वर्ष 2011 डेगू में वह 100 मीटर फाइनल रेस के लिए अयोग्य करार नहीं दिए गए होते तो फर्राटा धावक ने आखिरी चार विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया होता।

उत्तर कोरियाई एथलीट पैरालंपिक खेलों के लिए दक्षिण कोरिया जाएंगे

सोल। उत्तर कोरिया अगले महीने सात मार्च से शुरु होने वाले पैरालंपिक खेलों में हिस्सा लेने के लिए अपने एथलीटों को दक्षिण कोरिया भेजने पर सहमत हो गया है। समाचार एजेंसी योहाप ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि पैरालंपिक खेलों पर चर्चा करने के लिए उत्तर और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों ने मंगलवार को एक-दूसरे से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उत्तर कोरिया अपने एथलीटों को दक्षिण कोरिया भेजने पर सहमत हो गया। दक्षिण कोरिया में हाल ही में शांति खेलों के रूप में आयोजित शीतकालीन खेलों में भी उत्तर कोरिया के एथलीटों ने हिस्सा लिया था। दोनों कोरियाई देशों के बीच दूरी के बावजूद दोनों देशों के एथलीट उद्घाटन और समापन समारोह में एक बैनर के तले मार्च करने पर सहमत हो गए थे। उन्होंने महिला आइस हाकी में एक मिली जुली टीम उतारी थी।

थाईलैंड के वेनहेंग मुक्केबाज मेवेदर की रिकॉर्ड पारी से हैं एक कदम दूर

बैंकाक। मुक्केबाजी विश्व के बाहर अनजान थाईलैंड के वेनहेंग मेनायोथिन महान मुक्केबाज फ्लायड मेवेदर के 50 फाइट तक अजेय रहने के रिकार्ड की बराबरी से सिर्फ एक जीत दूर हैं जो उन्हें खेल के महानतम खिलाड़ियों के बीच जगह दिलाएगा। पांच फीट दो इंच लंबे और मात्र 47 -5 किग्रा के वेनहेंग कद में कम लंबे, कम वजन वाले और मेवेदर से कहीं कम कमाने वाले हैं।

मेवेदर पिछले साल संन्यास से वापसी करते हुए एमएमए स्टार कोनोर मैकग्रेगर से भिड़े थे जिसके लिए उन्हें 10 करोड़ डालर मिले थे। वेनहेंग के पास अब मेवेदर के 50-0 के रिकार्ड की बराबरी करने का मौका है। वेनहेंग का 50वां मुकाबला अप्रैल या मई में पनामा के लिराय एस्ट्राडा के खिलाफ थाईलैंड में होगा।

रियाल मैड्रिड के खिलाफ नहीं खेलेंगे नेमार! पैर में लगी चोट

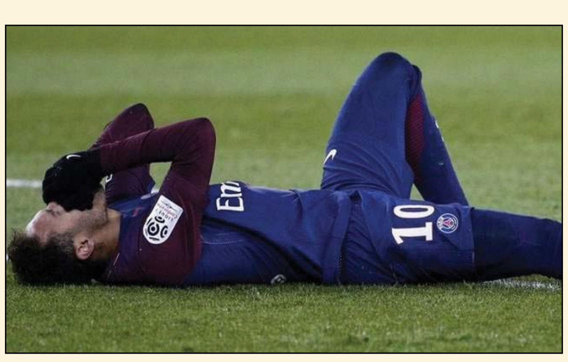

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन के स्टार खिलाड़ी नेमार के टखने और पैर में चोट है जिसके कारण उनका रियाल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियन्स लीग मैच में खेलना संदिग्ध है। नेमार को रविवार को मार्सेले के खिलाफ जीत के दौरान स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था। पिछले साल रिकार्ड करार में बार्सीलोना छोड़कर पीएसजी से जुड़ने वाले ब्राजील के फुटबाल स्टार नेमार का रीयाल के खिलाफ छह मार्च को पार्क डेस प्रिंसेस में अंतिम 16 के दूसरे चरण के मैच में खेलना संदिग्ध है।

पीएसजी की टीम को स्पेन में पहले चरण में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा था और अब नेमार की चोट से उसे झटका लगा है। पीएसजी ने हालांकि यह नहीं बताया है कि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी कितने समय तक बाहर रहेगा।

मैथ्यूज टी-20 त्रिकोणीय सीरीज से बाहर

कोलंबो। श्रीलंका के आलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज चोट की वजह से 6 मार्च से भारत और बंगलादेश के साथ होने वाली ट्वंटी-20 त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गए है। मैथ्यूज को पिछले महीने बंगलादेश के खिलाफ हुई सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन वह एक मैच खेलने के बाद ही वह चोटिल हो गए थे। उसके बाद दिनेश चांडीमल ने बाकी छह मैचों में उनकी जगह टीम की कमान संभाली थी और अब ऐसा माना जा रहा है कि चांडीमल ही त्रिकोणीय सीरीज में भी टीम के कप्तान बने रहेंगे। ट्वंटी-20 सीरीज छह से 18 मार्च तक श्रीलंका में खेली जानी है। सीरीज का पहला मैच भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच खेला जाएगा।

टीम इंडिया में वापसी के तौर पर आईपीएल को नहीं देख रहें अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सीनियर आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि भारत की सीमित ओवरों की टीम में वापसी को लेकर उनकी रातों की नींद नहीं उड़ी है और फिलहाल उनका ध्यान आगामी इंडियन प्रीमियर लीग में किंग्स इलेवन पंजाब की कप्तानी की 'बड़ी जिम्मेदारी' पर है। युवराज सिंह और आरोन फिंच जैसे खिलाड़ियों पर तवज्जो देकर कल अश्विन को किंग्स इलेवन पंजाब का कप्तान नियुक्त किया गया। उन्होंने आलराउंडर रविंद्र जडेजा के साथ भारत की सीमित ओवरों की टीम में स्थान गंवा दिया है। अश्विन ने भारत की ओर से पिछला सीमित ओवरों का मैच जुलाई 2017 में खेला था।

अश्विन ने कहा कि, 'मैं इस साल के आईपीएल को भारतीय टीम में वापसी के तौर पर नहीं देख रहा। मैं आईपीएल में उसी मानसिकता के साथ उतरूंगा जैसे हर साल उतरता हूं। इस सत्र में मेरे ऊपर बड़ी जिम्मेदारी (किंग्स इलेवन पंजाब की कप्तानी की) है और मैं चुनौती के लिए तैयार हूं। मैं किसी और चीज पर ध्यान नहीं दे रहा। अगर होना होगा तो ऐसा (भारतीय टीम में वापसी) होगा।'

अंगुली के स्पिनरों अश्विन और जडेजा का चयन अगले साल होने वाले विश्व कप में मुश्किल नजर आता है क्योंकि फिलहाल कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि आईपीएल में अश्विन का प्रदर्शन उनके लिए सिर्फ एक कप्तान ही नहीं बल्कि सीनियर गेंदबाज के रूप में भी अहम होगा। वह अप्रैल-मई में होने वाले इस टूर्नामेंट में लेग स्पिन आजमाने को भी तैयार हैं।

टीम संयोजन पर फैसला अभी जल्दबाजी होगा लेकिन अश्विन के सामने जो चुनौतियां हैं उनमें से एक टीम में शामिल सीनियर खिलाड़ियों के साथ सामंजस्य बैठाना है। युवराज सिंह, फिंच, डेविड मिलर और क्रिस गेल टीम में शामिल कुछ हाई प्रोफाइल खिलाड़ी हैं। एक समय आईपीएल नीलामी की शान रहे युवराज और गेल की मांग में काफी कमी आई है और पंजाब की टीम ने इन दोनों को पिछले महीने हुई नीलामी में उनके आधार मूल्य पर खरीदा।

युवराज सिंह का अंतिम एकादश में खेलना लगभग तय है लेकिन यह देखना होगा कि टीम प्रबंधन गेल का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल कैसे करता है क्योंकि उनके पास फिंच और मयंक अग्रवाल की फार्म में चल रही सलामी जोड़ी है। पंजाब की टीम के लिए लोकेश राहुल भी पारी का आगाज कर सकते हैं।

धोनी की कप्तानी में चेन्नई टीम में खेलने को उत्साहित ये खिलाड़ी

चेन्नई। लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने आज कहा कि वह महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलने को लेकर काफी उत्साहित हैं। सीएसके की वेबसाइट के अनुसार शर्मा ने कहा, ''मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं कि चेन्नई सुपर किंग्स ने मुझे माही भाई (धोनी) की कप्तानी में खेलने का मौका दिया है। वह महान कप्तान हैं और अपने खिलाड़ी से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना जानते हैं। उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काफी कुछ सीखने को मिलेगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस चैंपियन फ्रेंचाइजी की तरफ खेलने को लेकर उत्साहित हूं। सीएसके की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ी हैं। यह मेरे लिये उनसे सीखने और बेहतर खिलाड़ी बनने का शानदार अवसर है। ''

मिताली को आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय वनडे टीम की कमान

नयी दिल्ली। सलामी बल्लेबाज मिताली राज आस्ट्रेलिया के खिलाफ वडोदरा में 12 से 18 मार्च तक होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत की 15 सदस्यीय महिला टीम की अगुआई करेंगी। बीसीसीआई के कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी ने कहा, ''अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पेटीएम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत की महिला टीम का चयन किया है। वडोदरा में होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला आईसीसी महिला चैंपियनशिप (2017-2020) का हिस्सा होगी।''। भारतीय महिला टीम का दक्षिण अफ्रीका का दौरा सफल रहा जिसमें मिताली की अगुआई वाली टीम ने एकदिवसीय श्रृंखला में 2-1 जबकि हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 3-1 की जीत के साथ दोहरी सफलता हासिल की। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे 12 मार्च को होगा जबकि अगले दो मैच 15 और 18 मार्च को खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, ''एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जाएगी और इसके लिए टीम की घोषणा बाद में होगी।''

भारतीय महिला एकदिवसीय टीम इस प्रकार है:

मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, पूनम राउत, जेमिमा रोड्रिगेज, वेदा कृष्णमूर्ति, मोना मेशराम, सुषमा वर्मा, एकता बिष्ट, पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, शिखा पांडे, सुकन्या परिदा, पूजा वस्त्रकार और दीप्ति शर्मा।

दोबारा नंबर वन बनना नहीं, ये है नडाल का लक्ष्य

एकापुलको (एजेंसी)।

पूर्व नंबर एक स्पेन के राफेल नडाल ने कहा है कि चोट से वापसी करने के बाद उनकी नजरें फिर से नंबर वन बनने पर नहीं बल्कि अच्छे प्रदर्शन करने पर लगी हुई है। 31 साल के नडाल पैर की चोट के बाद से पहली बार कोर्ट पर उतरेंगे और वह यहां मंगलवार से शुरु हुए मैक्सिको ओपन में हिस्सा लेंगे। नडाल इस वर्ष जनवरी में साल के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल मैच से हट गए थे। ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने के बाद स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने नडाल से नंबर वन का स्थान छीन लिया था और रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचने वाले दुनिया के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए थे।

मैक्सिको ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त नडाल को फेसियानो लोपेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करनी है। नडाल ने कहा कि मैं इस टूर्नामेंट में खेल रहा हूं क्योंकि मुझे यह पसंद है, बल्कि इसलिए नहीं मैं फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। 16 बार के ग्रैंड स्लेम विजेता नडाल को टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता दी गई है। वह इससे पहले यहां 2005 और 2013 में खिताब अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अपने कॅरियर के इस पड़ाव पर मैं खुश रहना चाहता हूं और लगातार खेलते रहना चाहता हूं, फिर चाहे नंबर वन पर रहूं और नंबर पांच पर।

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी नडाल ने कहा कि वह अब चोट से पूरी तरह से उबर चुके हैं और खेल पर ध्यान लगा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने कई सप्ताह आराम किया और अपने रिहेबिलिटेशन पर भी काफी काम किया है। मैंने पिछले सप्ताह से ही अभ्यास करने शुरु कर दिए थे और अब भी कर रहा हूं। टूर्नामेंट में खेलने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। गत वर्ष यहां उपविजेता रहे नडाल ने कहा कि चोट कॅरियर का एक हिस्सा है और ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, लेकिन हां, इससे उबर पाना मुश्किल होता है, खासकर तब जब आप टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। मेरे लिए कोर्ट पर फिर वापसी करना और अच्छा प्रदर्शन के लिए यह एक अच्छा मौका है।

दक्षिण अफ्रीका दौरा अच्छी खिलाड़ियों के खिलाफ था अच्छा दौरा: हरमनप्रीत

मुंबई। भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सबसे महत्वपूर्ण चीज टीम के क्षेत्ररक्षण में सुधार रहा जबकि उन्हें युवा जेमीमा रोड्रिगेज की भी तारीफ की। हरमनप्रीत ने टाइम्स आफ इंडिया खेल पुरस्कार के इतर कहा, 'दक्षिण अफ्रीका दौरा अच्छी खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा दौरा था। अच्छी चीज यह है कि टीम एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है और सभी प्रदर्शन कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'जेमी (जेमीमा) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाई है। हमारे क्षेत्ररक्षण में सुधार हुआ है जिसमें पिछले दो-तीन साल में हम पिछड़ रहे थे और यह दौरे का सबसे सकारात्मक पक्ष रहा।' हरमनप्रीत ने कहा कि वेस्टइंडीज में इस साल होने वाले विश्व टी20 को देखते हुए टीम का इरादा इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका देने का है। भारत पहले वडोदरा में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगा और फिर आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला में हिस्सा लेगा।

नये बैडमिंटन नियमों पर बोले कोच, इनके पीछे का तर्क समझ नहीं आता

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के कोर्ट पर कोचिंग में कमी लाने और स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव के प्रस्ताव से अंतरराष्ट्रीय कोच भ्रम में हैं और पुलेला गोपीचंद तथा केनेथ योनासन जैसे कोचों ने इस कदम के पीछे के तर्क पर सवाल उठाए हैं। मैच के दौरान प्रत्येक गेम में किसी एक खिलाड़ी के 11 अंक होने और गेम खत्म होने पर कोर्ट पर कोचिंग की स्वीकृति है लेकिन बीडब्ल्यूएफ ने प्रस्ताव रखा है कि इसमें कमी लाई जाएगी लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया है कि इसे कितना कम किया जाएगा।

विश्व महासंघ ने मौजूदा तीन गेम की जगह बेस्ट आफ फाइव प्रारूप का प्रस्ताव रखा है। साथ ही सुझाव दिया गया है कि मौजूदा 21 अंक के प्रारूप की जगह प्रत्येक गेम में 11 अंक होंगे। मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कोर्ट पर कोचिंग में कमी लाने को कैसे लागू किया जाएगा और ना ही उन्हें इसके पीछे का तर्क पता है। गोपीचंद ने कहा कि, 'मुझे नहीं पता कि संभावित बदलाव क्या हैं, मैंने विस्तृत ड्राफ्ट नहीं देखा है इसलिए मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि एक समय था जब कोर्ट पर कोचिंग नहीं होती थी और उन्होंने इसे शामिल किया। वे फिर इसमें कमी लाना चाहते हैं। इसलिए मुझे इसके पीछे का तर्क समझ नहीं आता।'

विक्टर एक्सेलसन को विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले डेनमार्क के मुख्य कोच केनेथ का मनना है कोर्ट पर कोचिंग बैडमिंटन का बेजोड़ पक्ष है और यह दर्शकों के लिए भी रोचक होता है। केनेथ ने कहा, 'मेरा मानना है कि कोर्ट पर कोचिंग बैडमिंटन को अन्य खेलों से अलग करता है जो एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं- यह बेजोड़ है। जो मुझे समझ आता है- टीवी दर्शकों को यह पसंद है, इससे सभी को पता चलता है कि असल में क्या हो रहा है और यह दर्शकों के लिए अच्छा है।'

उन्होंने कहा, 'बीडब्ल्यूएफ कह सकता है कि वे खिलाड़ियों को अधिक आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं और कोई इसमें बहस भी नहीं करेगा और ना कर सकता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह कोर्ट पर कोचिंग को बदलने का कारण है। यह सिर्फ बदलाव के लिए बेहद अच्छा और चतुराई भरा बहाना है। बीडब्ल्यूएफ ने गेम के लंबा होने के लिए कोर्ट पर कोचिंग को जिम्मेदार ठहराया है, यह खराब बहाना है।'

पूर्व भारतीय कोचों विमल कुमार और सैयद मोहम्मद आरिफ ने हालांकि इन प्रस्तावित नियमों का समर्थन करते हुए कहा कि यह खिलाड़ियों को मजबूत बनाएंगे। मौजूदा 21 अंक की जगह 11 अंक की स्कोरिंग प्रणाली को नियम बनाने के प्रस्ताव पर गोपीचंद ने कहा, 'शुरू में कुछ खिलाड़ियों को फायदा होगा जबकि कुछ को परेशानी होगी। इन नियमों में बदलाव के लिए जो कारण बताए गए हैं मैं उनसे काफी सहमत नहीं हूं। 21 अंक की प्रणाली सफल रही, यह कई देशों में लोकप्रिय है।' केनेथ ने भी कहा कि वह नयी स्कोरिंग प्रणाली को लेकर सुनिश्चित नहीं हैं।

शराबबंदी के बावजूद नशे में धुत रहते हैं पुरुष -67 प्रतिशत महिलाएं परेशान

सूरत (ईएमएस)। गुजरात में शराबबंदी लंबे समय से लागू है। दावा किया जाता है कि प्रदेश में शराब की एक बूंद मिलना भी नामुमकिन है। इसी बीच एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिसको पढ़ने के बाद हर कोई हैरान है। पिछले दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि गुजरात की 19 फीसदी महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार हैं। इन महिलाओं में से 67 फीसदी शराबी पतियों से प्रताड़ित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात में रहने वाली 72 फीसदी महिलाएं बिना कुछ बोले ही घरेलू हिंसा को सहती हैं। प्रदेश में रहने वाली हर पांचवीं महिला घरेलू हिंसा और शराबी पति से परेशान है, इसके बाद भी वह इसका विरोध नहीं करती है। राज्य के 26 जिलों में इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर साइसेंस ने लगभग 20,524 घरों की 22,932 महिलाओं और 5574 पुरुषों से बातचीत की और फिर रिपोर्ट को तैयार किया। रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि प्रदेश की 21 फीसदी महिलाएं पति के डरकर जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। प्रदेश की 23.1 फीसदी महिलाएं पति की मानसिक, शारीरिक और सेक्सुअल प्रताड़ना झेलने के लिए मजबूर हैं। वे सबसे ज्यादा शारीरिक हिंसा, सेक्सुअल हिंसा और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होती हैं। सर्वे के दौरान लगभग 46 फीसदी महिलाओं ने इस बात को स्वीकार किया है कि उनके पति उन्हें प्रताड़ित करते हैं। सर्वे में गुजरात के 80 फीसदी पुरुषों ने माना कि अगर वह पति-पत्नी के संबंध में हैं, तो गुस्सा करना सिर्फ उनका अधिकार है। पुरुषों ने इस बात को स्वीकारा कि गुस्सा सहना सिर्फ पत्नी का काम है।

हार्दिक पटेल ने अब विपक्ष के नेता परेश धानाणी के खिलाफ मोर्चा खोला

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का खुलकर समर्थन करने पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) नेता हार्दिक पटेल ने अब विपक्ष के नेता परेश धानाणी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हार्दिक पटेल के इस बदले रुख से राजनीतिक हलकों में आश्चर्य व्याप्त है। हार्दिक पटेल ने सोशल मीडिया पर कहा है कि पिछले पांच दिन से चल रहे गुजरात विधानसभा के सत्र में पाटण दलित आत्मदाह का मामला जोरशोर से उठाया जा रहा है। यह एक अच्छी बात है और ऐसे मुद्दों को सदन में उठाना भी चाहिए। परंतु पिछले ढाई साल से गुजरात में चल रहे पाटीदार आंदोलन कि जिसमें शहीद हुए 14 पाटीदार युवकों और निर्दोषों पर दर्ज फर्जी राजद्रोह का मुद्दा कोई भी कांग्रेसी विधायक सदन में क्यों नहीं उठा रहा। खासकर विधानसभा में विपक्ष के नेता परेश धानाणी इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं। पाटीदार समाज पर हुए अमानवीय अत्याचार पर यदि कांग्रेस विधानसभा में खामोश रहना चाहती है तो हमें ऐसा लगता है जैसे भाजपा और कांग्रेस दोनों एक ही सिक्के दो पहलू हैं। हमें ऐसा लगता था कि परेश धानाणी जैसे युवा के विपक्षी नेता बनने से जनता को फायदा होगा, परंतु लेकिन विधानसभा में जनता के मुद्दे नहीं उठाने से लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। गुजरात विधानसभा में आज मजबूत विपक्ष होने के बावजूद यदि जनता को निराशा हाथ लगती है तो आखिर वह कहां जाएगी।

47 लाख की किंमत की शराब के साथ एक गिरफ्तार

मोरबी (ईएमएस)। जिले के अमरनगर से पीआर सेल ने 47 लाख की किंमत की शराब के साथ एक शख्स को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक मोरबी जिले के अमरनगर से शराब पोरबंदर ले जाने की जानकारी मिलने पर पीआर सेल ने अमरनगर सीमा से गुजर रही ट्रक को रोककर तलाशी ली। पुलिस ने 47 लाख की किंमत की शराब के साथ 67 लाख का मालसामान कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शराब के साथ एक शख्स को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है।

वराछा में रोजगार भर्ती मेला

सूरत। शहर के वराछा में सहायक रोजगार कहरी और मॉडल कैरियर सेंटर के संयुक्त उपक्रम में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। डिप्टी पुलिस कमिश्नर आर.पी. बारोट के हाथों इस मेंले का उद्घाटन किया गया। 1400 से भी अधिक जगहों के लिए इस मेले में 800 उम्मीदरवारों ने भाग लिया। चयनित अभयार्थियों को राजगार मुहैय्या कराया जाएगा।

सायंस सिटी में रु. 126. 62 करोड़ की लागत से रोबोटिक गैलेरी

गांधीनगर (ईएमएस)। अहमदाबाद की सायंस सिटी में अत्याधुनिक रोबोटिक गैलेरी का निर्माण जोरशोर से जारी है। आज गुजरात विधानसभा में विजापुर के विधायक रमणभाई पटेल के प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने बताया कि देश-विदेश में ख्याति प्राप्त सायंस सिटी में फिलहाल अत्याधुनिक रोबोटिक गैलेरी का काम पूरे जोरशोर से चल रहा है। इस गैलेरी के निर्माण एवं पांच साल के ऑपरेशन मेन्टेनन्स सपोर्ट के लिए रु. 126. 62 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

राज्य में पिछले दो वर्ष में 4803 बच्चे हुए लापता

गांधीनगर (ईएमएस)। आज विधानसभा सदन में प्रश्नोत्तरी के दौरान बच्चों के लापता होने के मामले में सरकार ने रिपोर्ट पेश किया। राज्य में पिछले दो वर्ष में 4803 बच्चे लापता हुए हैं। चाइल्ड ट्राफिकिंग देश का सबसे बड़ा अपराधिकरण है। गुजरात में भी बच्चों का अपहरण कर उनसे भीख मंगवाने समेत कई गोरखधंधे यानि की चाइल्ड ट्राफिकिंग का अपराध बढ रहा है। बच्चा लापता होने के बाद 60 प्रतिशत केस में पुलिस को बच्चे को ढूंढने में असफलता हाथ लगती है। जिसे लेकर सभी चिंतत है। स्कूल के बाहर भी कड़ी सिक्युरिटी के बावजूद बच्चे के लापता होने आंकडे बढ रहेहैं। आज विधानसभा में प्रश्नोत्तरी काल के दौरान बच्चों के लापता के मामले में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में राज्य सरकार ने रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात में पिछले दो वर्ष में 4803 बच्चे लापता हुए है। सबसे अधिक बच्चे राज यों के 4 महानगर अहमदाबाद, राजकोट, सूरत और वड़ोदरा से 3,042 बच्चे लापता हुए है। जिसमें सरकार 3676 बच्चों को ढूंढ निकालने में कामयाब हुई है जबकि 27 जिलों के 1127 बच्चों का कहीं कोई पता नहीं है। सरकार द्वारा लापता बच्चों की खोजबीन के लिए खोयापाया नामक पोर्टन लोन्च किया है। जिसे लेकर कई लोग अंजान है। बाल सुरक्षा कानून व प्रावझान व चाइल्ड केर होम द्वारा समग्र देश में चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम डेवलप की गई है। यह सिस्टम की शुरुआत वेस्ट बंगाल हुई थी। राज्य के गृह विभाग के संकलन में यह कार्रवाई शुरु की गई है। जिससे लापता बच्चों का डेटा डे टु डे अपडेशन कर देखा जा सकता है। विशेषकर लापता बच्चों के लिए खोया पाया पोर्टल अभिभावकों के लिए सरलता हो रही है। गुजरात में कुल 125 चाइल्ड केर होम कार्यरत है जिसमें अनुमानित 5400 बच्चे रहते हैं। चाइल्ड ट्रेकिंग सिस्टम डेवलप करने देश के सभी राज्यों के साथ बच्चों की डेटा की जानकारी का आदान-प्रदान हो सकता है। इसके अलावा एन्टी ह्युमन ट्रेकिंग युनिट की कार्रवाई शुरु की है।

आर्थिक तंगी से परेशान होकर लगा ली फांसी

सूरत। अलथाण के आजाद नगर में रहने तथा सेन्टिग का काम करने वाले व्यक्ति ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर अपने घर में एंगल के साथ रस्सी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आजाद नगर के इंदिरा नगर गली नं.3, घर नं. 25 में रहने वाले हीरालाल उर्फ दीपक देवलाल सिंह (45 वर्ष) सेंटिग काम के लिए कुछ मजदूरों को लेकर काम करवाते थे। कराए गए काम का पैसा कहीं से मिला था। जिसको हीराभाई मजदूरों की मजूरी देने के बदले में अपने घर खर्च में खत्म कर दिया। जिससे उनकी मजूरी देने के लिए हीराभाई के पास पैसे न होने पर उन सभी की मजूरी कहां से देंगे, इस बात को लेकर टेंशन में आ गए और घर में लगे पतरे के एंगल के साथ दुपट्टा बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। घटना के संदर्भ में खटोदरा पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

चार शख्सों ने चाकू से गोदकर युवक की हत्या कर दी

सूरत (ईएमएस)। शहर के पीर फलिया क्षेत्र में एक युवक की चार शख्सों ने मिलकर हत्या कर दी। युवक की गलती इतनी थी कि वह मारपीट में बीच बचाव कर रहा था। जानकारी के मुताबिक सूरत के पूणा क्षेत्र के पीर फलिया में पुरानी रंजिश को लेकर चार शख्स एक युवक के साथ मारपीट कर रहे थे। उस वक्त एक युवक ने बीच बचाव करने का प्रयास किया। युवक का प्रयास उसके लिए जानलेवा साबित हुआ। चार शख्स जिस युवक के साथ मारपीट कर रहे थे, उसे छोड़ दिया और बीच बचाव करनेवाले युवक पर चाकू से हमला कर दिया। चारों शख्सों ने युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर फरार शख्सों को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है।

रिक्शा की टक्कर से डाकोर जा रही पदयात्री बच्ची की मौत

खेड़ा (ईएमएस)। जिले के महेमदाबाद के पास एरेरी पाटिया निकट रिक्शा की टक्कर से 8 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। अहमदाबाद शहर के बापूनगर से अपने परिवार के साथ बच्ची डाकोर पदयात्रा पर जा रही थी। खेडा जिले के डाकोर में फाल्गुन पूर्णिमा को लेकर भगवान रणछोडजी के दर्शन के लिए आते हैं। गुजरात से और कई इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल डाकोर आते हैं। अहमदाबाद शहर के बापूनगर में रहनेवाले आनंदभाई वाघेला भी अपने परिवार के साथ डाकोर पदयात्रा पर निकले थे। आनंदभाई के साथ उनकी 8 वर्षीय मासूम बच्ची भी साथ थी। आज तड़के एरेरी पाटिया निकट केनाल के पास बच्ची के माता-पिता नहाने गए थे उस दौरान बच्ची दौड़ते हुए हाईवे पर आ गई और वहां से गुजर रही रिक्शा ने बच्ची को अपनी चपेट में ली। गंभीर रुप जख्मी बच्ची की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद अन्य पदयात्री व स्थानीय लोगों ने रिक्शा चालक को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर बच्ची के शव को पोस्टमोर्टम के लिए महेमदाबाद सरकारी अस्पताल भेज दिया।

लिंबायत के महाप्रभुनगर में नवजात मृत बालक मिला

सूरत। लिंबायत के महाप्रभुनगर एसएमसी गोडाउन के बगल खुले मैदान में एक नवजात बालक मिलने से लोगों के बीच कौतूहल मच गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के महाप्रभुनगर में स्थित एसएमसी गोडाउन के पास सर्वे नं. 4/1/6 प्लॉट नं. 42 के बगल खुले मैदान में किसी महिला ने अपने पाप को छुपाने के इरादे से मृत बालक को त्यागकर फरार हो गई। लिलियावाला स्कूल के पास कैलाश नगर सोसाइटी में रहने वाले विरेन टेवली ने मृत बालक को देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दिया।

होली पर्व पर निजी ट्रावेल्स कंपनियों द्वारा यात्रियों से खुली लूट

अहमदाबाद (ईएमएस)। होली त्यौहार के आडे दो दिन शेष रह गए हैं और निजी ट्रावेल्स कंपनियों ने यात्रियों से खुली लूट शुरू कर दी है। गुरुवार को होली और शुक्रवार को धुलेंडी है। जिसके बाद शनिवार और रविवार होने से इस मिनी वैकेशन का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने गांव या घूमने फिरने का आयोजन कर रहे हैं। इस मौके का फायदा उठाते हुए निजी लक्जरी बस संचालक यात्रियों से मनमानी किराया वसूल कर रहे हैं। सामान्य दिनों के मुकाबले त्यौहारों के मौसम में किराया वृद्धि कर यात्रियों से खुली लूट का सिलसिला वर्षो से चला रहा है। इस बारे में पेशकश किए जाने के बावजूद निजी बस संचालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किए जाने से ऐसे लोगों की हिम्मत बढ़ती जा रही है। लंबी दूरी की बसों में यात्रियों से टोल टेक्स के नाम पर ज्यादा किसाया वसूला जाता है और त्यौहारों में किराया दुगुना कर दिया जाता है। सामान्य दिनों में अहमदाबाद से दाहोद, झालोद, राजकोट जैसे शहरों का किराया रु. 150से रु. 600 होता है। लेकिन त्यौहारों पर रु. 600 से रु. 1200 वसूला जाता है। एसटी निगम की पर्याप्त बसों के अभाव के चलते यात्री निजी बस संचालकों की खुली लूट का शिकार हो रहे हैं। होली जैसे त्यौहारों पर अन्य शहरों में रहनेवाले लोग अपने घर जरूर लौते हैं और इसका फायदा निजी ट्रावेल्स कंपनी के संचालक उठाते हैं तथा यात्रियों से मनमानी किराया वसूल करते हैं।

सड़क हादसे में भाजपा के पूर्व नगरपार्षद की मौत, पत्नी की हालत गंभीर

जूनागढ(ईएमएस)। जिले के डेरवाण सर्किल पर कार व ट्रक के बीच भिडंत हो गई। इस हादसे में जूनागढ के पूर्व महापौर व भाजपा नेता जीतुभाई हीरपरा की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी की हालत गंभीर है। सूत्रों के मुताबिक जूनागढ के महापौर जीतुभाई हीराभाई पत्नी के साथ कार से अपने फार्म हाउस से लौट रहे थे। उनकी कार डेरवाण सर्किल पर से गुजर रही थी। इस दौरान तेज गति से गुजर रहे ट्रक चालक ने जीतुभाई की कार को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर से कार में सवार जीतुभाई की गंभीर रुप से घायल होने पर घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर जीतुभाई की पत्नी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया और जीतुभाई के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

डीएसपी ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड ने डीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफका शुभारंभ किया

सुरत। भारत में एसेट मैनेजमेंट की अग्रणी कंपनियों में से एकए डीएसपी ब्लैक रॉक इंवेस्टमेंट मैनेजर्स प्राण् लिण् ने आज डीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफके शुभारंभ की घोषणा कीए जिसे पूंजी बाजार के उन निवेशकों की जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है जो निष्क्रिय नकद राशि के सुविधाजनक तरीके से निवेश की इच्छा रखते हैं।

डीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफए एक्सचेंज पर ट्रेडिंग करते समय कैश बैलेंस के इस्तेमाल का एक सुविधाजनक माध्यम है। जब कोई निवेशक अपना शेयर बेचता हैए तो वह ब्रोकर को समान राशि के डीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफकी खरीद का निर्देश दे सकता है। इससे अदायगी की तारीख ;टी. 2द्ध से ही निवेशक निश्चित तौर पर लाभांश अर्जित करना प्रारंभ कर देगा ;यह वितरण योग्य अधिशेष की उपलब्धता के अधीन हैद्ध। इस तरह अब निवेशकों को चेक प्राप्त कर उसे अपने बैंक खाते में जमा करने की परेशानी से नहीं गुजरना पड़ेगा और फिर लिक्विड फंड में निवेश करने से पहले चेक के मंजूर होने तक प्रतीक्षा नहीं करनी होगीए जैसा उन्हें पहले करना पड़ता था। इस योजना का उद्देश्यए मुख्यत: संपार्श्विक ऋण एवं ऋण दायित्व ;सीबीएलओद्धए सरकारी प्रतिभूतियों में रेपोए रिवर्स रेपो तथा इसी प्रकार के अन्य साधनों के एक पोर्टफोलियो के माध्यम से उच्च स्तरीय तरलता उपलब्ध कराते हुएए आनुपातिक तौर पर कम जोखिम के साथ चालू आय प्रदान करना है। इस योजना में केवल एक प्लान और एक विकल्प होगाए जिसमें दैनिक लाभांश का पुनर्निवेश किया जाएगा। एनएफओ अवधि के दौरान न्यूनतम आवेदन राशि 5000 रुपये और इसके बाद 1६ रुपए के गुणकों में होगी। इस नए फंड का प्रस्ताव 22 फरवरीए 2018 से शुरू होगा और 8 मार्चए 2018 को बंद हो जाएगा। डीएसपी ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राण् लिण् के ईटीएफएवं निष्क्रिय निवेश की उपाध्यक्षए गौरी सेकरियाए इस फंड के लिए फंड मैनेजर हैं। ईटीएफऔर इंडेक्स फंड्स के प्रबंधन में गौरी को 12 वर्षो का अनुभव प्राप्त है। इस अवसर पर श्री काल्पेन पारेखए अध्यक्षए डीएसपी ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राण् लिणए ने कहा नवजयडीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफए हमारे पैसिव फंड के प्रस्तावों में दूसरा संयोजन है। सक्रिय इक्विटी निवेशकों के लिए यह एक दिलचस्प विचार हैए जो स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग करते समय स्मार्ट लिक्विडिटी सॉल्यूशन चाहते हैं। कई बारए उनकी ट्रेडिंग से प्राप्त आय का बेहतर उपयोग नहीं हो पाता है। हमें ऐसे प्रोडक्ट की शुरुआत करते हुए बेहद खुशी हैए जो कैपिटल मार्केट के प्रतिभागियों को अंतरिम अवधि में अपने पैसे को काम में लगाकर अपने कैश बैलेंस से अधिक लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा। पिछले दो दशकों से हम सक्रिय निधि का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं और अब निष्क्रिय निधियों के शुभारंभ के जरिए हम अपने उत्पादों की श्रृंखला का अनुपूरण कर रहे हैं। नवजय श्री अनिल गहलानीए सीएफएए वरिष्ठ उपाध्यक्षए डीएसपी ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राण् लिण् ने कहा नवजयडीएसपी ब्लैकरॉक लिक्विड ईटीएफको निवेशकों के पैसे को हमेशा कार्यशील रखने के लिहाज से तैयार किया गया हैए और इसलिए यह बड़े खुदरा ग्राहकों वाले ब्रोकरोंए पीएमएस प्रदाताओंए एफएंड ओ ब्रोकरोंए प्रत्यक्ष इक्विटीज एचएनआई में निवेश करने वाले संस्थानों तथा स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग करने वाले खुदरा निवेशकों के लिए एक उपयोगी उत्पाद बन जाता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com